C·S(M)09

D-DTN-J-IJB

№ 000852

HINDI

Paper II

(Literature)

Time Allowed : Three Hours | *Maximum Marks : 300*

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt questions no. 1 and 5 which are compulsory, and any THREE of the remaining questions, selecting at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

Answers must be written in HINDI.

SECTION A

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए और उनकी काव्यगत विशेषताओं को भी स्पष्ट कीजिए : *20×3=60*

(क) जिहि घटि प्रीति न प्रेम रस, पुनि रसना नहीं राम ।

ते नर इस संसार में, उपजि षये बेकाम ।।

कबीर प्रेम न चाषिया, चाषि न लीया साव ।

सूने घर का पाहुणा, ज्यूं आया त्यूँ जाव ।।

(ख) कृसगात ललात जो रोटिन को, घरवात घरें खुरपा-खरिया ।
तिन्ह सोने के मेरु-से ढेर लहे, मनु तौ न भरो, घरु पै भरिया ।।
'तुलसी' दुख दूनो दसा दुहुँ देखि, कियो मुखु दारिद को करिया ।
तजि आस भो दासु रघुप्पतिको, दसरत्थको दानि दया-दरिया ।।

(ग) "ये अश्रु राम के" आते ही मन में विचार,
उद्वेल हो उठा शक्ति-खेल-सागर अपार,
हो श्वसित पवन-उनचास, पिता-पक्ष से तुमुल,
एकत्र वक्ष पर बहा वाष्प को उड़ा अतुल,
शत घूर्णावर्त, तरंग-भंग उठते पहाड़,
जल राशि-राशि जल पर चढ़ता खाता पछाड़,
तोड़ता बन्ध-प्रतिसन्ध धरा, हो स्फीत-वक्ष,
दिग्विजय-अर्थ प्रतिपल समर्थ बढ़ता समक्ष ।

(घ) दुर्गम बर्फ़ानी घाटी में
शत-सहस्र फुट की ऊँचाई पर
अलख नाभि से उठने वाले
निज के ही उन्मादक परिमल
के पीछे धावित हो-होकर
तरल-तरुण कस्तूरी-मृग को
अपने पर चिढ़ते देखा है,
बादल को घिरते देखा है ।

2. (क) जायसी कितने सूफ़ी हैं और कितने कवि हैं ? प्रमाण सहित उत्तर दीजिए ।

(ख) पद्मावत में लोक संस्कृति की अभिव्यक्ति है, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । *30×2=60*

3. (क) रीति काल में कविवर बिहारी की अपनी अलग पहचान है । तर्क-युक्त उत्तर दीजिए ।

(ख) 'सतसैया के दोहरे, ज्यों नावक के तीर,

देखन में छोटे लगें, घाव करें गंभीर'

इस दोहे के आलोक में बिहारी की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । *30×2=60*

4. (क) क्या मुक्तिबोध के आत्मसंघर्ष में सामाजिक संघर्ष भी व्यक्त हुआ है ? — मुक्तिबोध के काव्य के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए ।

(ख) नई कविता के दायरे में रहते हुए मुक्तिबोध की काव्यशैली में प्रगतिशीलता का निर्वहन हुआ है — स्पष्ट कीजिए । *30×2=60*

SECTION B

5. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ-सहित व्याख्या करते हुए उनकी अभिव्यंजनागत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए : *20×3=60*

(क) अब हमने आप में सच्चा पथ-प्रदर्शक, सच्चा गुरु पाया है और इस शुभ दिन के आनन्द में आज हमें एकमन एकप्राण हो कर अपने अहंकार को, अपने दम्भ को तिलांजलि दे देना चाहिए । हममें से आज से कोई ब्राह्मण नहीं है, कोई शूद्र नहीं है, कोई हिन्दू नहीं है, कोई मुसलमान नहीं है, कोई ऊँच नहीं है, कोई नीच नहीं है । हम सब एक ही माता के बालक, एक ही गोद में खेलने वाले, एक ही थाली के खाने वाले भाई हैं । जो लोग भेद-भाव में विश्वास रखते हैं, जो लोग पृथक्ता और कट्टरता के उपासक हैं, उनके लिए हमारी सभा में स्थान नहीं है ।

(ख) आप लोगों की नाराज़गी मुझ पर है तो मुझे ही झेलनी चाहिए और अकेले ही झेलनी चाहिए । दूसरों को इसमें साझीदार बनाना तो दूसरों के साथ अन्याय होगा । कुछ समय पहले आप लोगों ने अपना प्यार और विश्वास दिया था मुझे । मैंने सिर-आँखों पर ही लिया था उसे । आज यदि आप अपनी नाराज़गी देंगे तो उसे भी सिर-आँखों पर ही लूँगा । मेरी ग़लती पर नाराज़ होना आपका अधिकार है और उसे झेलना मेरा कर्तव्य ।

(ग) रूप की भावना का बहुत कुछ सम्बन्ध व्यक्तिगत रुचि से होता है । अतः किसी के रूप और हमारे बीच यदि तीसरा व्यक्ति आया तो इस व्यापार में सामाजिकता आ गई; क्योंकि हमें उस समय यह ध्यान हुआ कि उस रूप से एक तीसरे व्यक्ति को आनन्द या सुख मिला और हमें भी मिल सकता है । जब तक हम किसी के रूप का बखान सुनकर 'वाह-वाह' करते जायेंगे तब तक हम एक प्रकार के लोभी अथवा रीझने वाले या क़द्रदान ही कहलाएँगे, पर जब हम उसके दर्शन के लिए आकुल होंगे, उसे बराबर अपने सामने ही रखना चाहेंगे; तब प्रेम का सूत्रपात समझा जाएगा ।

(घ) मैं ऐसे व्यक्ति को अच्छी तरह समझती हूँ । तुम्हारे साथ उसका इतना ही सम्बन्ध है कि तुम एक उपादान हो, जिसके आश्रय से वह अपने से प्रेम कर सकता है, अपने पर गर्व कर सकता है । परन्तु तुम क्या सजीव व्यक्ति नहीं हो ? तुम्हारे प्रति उसका या तुम्हारा कोई कर्तव्य नहीं है ? कल तुम्हारी माँ का शरीर नहीं रहेगा, और घर में एक समय के भोजन की व्यवस्था भी नहीं होगी, तो जो प्रश्न तुम्हारे सामने उपस्थित होगा, उसका तुम क्या उत्तर दोगी ? तुम्हारी भावना उस प्रश्न का समाधान कर देगी ?

6. (क) क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि भारतेन्दु युग के गद्य में ज़िन्दादिली मिलती है ? सोदाहरण उत्तर दीजिए ।

(ख) भारत-दुर्दशा का हिन्दी नव जागरण से क्या सम्बन्ध है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए । *30×2=60*

7. (क) क्या यह सच है कि प्रेमचन्द ने हिन्दी कथा साहित्य की कर्मभूमि ही नहीं बदली बल्कि उसका कायाकल्प भी किया ? सप्रमाण उत्तर दीजिए ।

(ख) गोदान की बुनावट का विवेचन कीजिए । *30×2=60*

8. (क) एक कहानी संग्रह को संपादक ने 'एक दुनिया समानान्तर' क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'एक दुनिया समानान्तर' की किसी एक कहानी की समीक्षा कीजिए । *30×2=60*